

सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्स.टेंशन, पटपडगंज, दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-8

विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक

पाठ:9 नए टापू की खोज

मौखिक कौशल

1. अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भारत के दक्षिणी भाग में स्थित है।
2. कारनिकोबारियों ने पहली नाव नारियल के पेड़ से बनाई थी।
3. नाव देखकर चावरा द्वीप के बुजुर्ग उसी निष्कर्ष पर पहुँचे जिसकी कल्पना कारनिकोबारियों ने की थी।
4. चावरावासी उन अनाम लोगों के बारे में जानना चाहते थे, जिन्होंने नाव का निर्माण कर सामग्री भेजी थी।
5. चावरा द्वीप की यात्रा पर कारनिकोबार द्वीप से आठ-दस लोग गए थे।

लिखित कौशल

1. (क) कारनिकोबारियों के मन में यह विचार आया कि अन्य द्वीपों की खोज करनी चाहिए।

(ख) कारनिकोबारियों ने प्रयोग के तौर पर नारियल का एक पेड़ उखाड़ा उसे छीलना आरंभ किया। उसे तरह-तरह से काटा। उसका आकार छोटा किया और उसकी गोलाई कम की। फिर उसे पानी में तैराकर देखना शुरू किया। इससे उन्हें संतुलन की कला समझ में आई। प्रयोग करते-करते आखिर कारनिकोबारियों ने एक छोटी-सी नाव बना ली।

(ग) कारनिकोबारियों को विश्वास था कि केनो तैरते हुए किसी किनारे पर अवश्य लगेगी। इस विश्वास के पीछे भी एक कारण था। उन्होंने कई ऐसी चीजों को अपने समुद्री तट पर पहुँचते देखा था जो उनके लिए अनजान थीं। उन्हें उम्मीद थी कि केनो किसी-न-किसी द्वीप के तट

पर जरूर पहुँचेगी। यदि उस द्वीप पर मानव जाति हुई तो केनों में रखी चीजों को देखकर उन्हें यह अंदाजा हो जाएगा कि यह नाव कहाँ से भेजी गई है।

(घ) चावरा द्वीप के बुजुर्गों ने नाव पर से फलों को उतारा और परीक्षण के रूप में चखकर देखा। जब वे पूरी तरह आश्वस्त हो गए कि वे फल हानिकारक नहीं हैं, तब उन फलों को सबमें वितरित करवा दिया।

(ङ) चावरावासियों ने मिट्टी के छोटे-छोटे बर्तन तथा नारियल और केले से बना व्यंजन 'किलोई' केनों में भरकर वापस भेजे।

(च) नाव में रखे बर्तनों को देखकर कारनिकोबारियों को विश्वास हो गया कि आस-पास कोई द्वीप है जहाँ उनके जैसे ही मनुष्य रहते हैं।

(छ) कारनिकोबारियों ने नाव में खाने का सामान, पीने के लिए पानी और कुछ फल आदि रखे। फिर नाव पर सवार होकर आठ-दस लोग अनजान द्वीप की यात्रा पर निकल पड़े।

(ज) कारनिकोबारी चावरावासियों को देखकर क्षण भर को हैरान हुए पर उसके बाद तो जैसे उनकी भी खुशी का कोई ठिकाना न रहा। उन्होंने पाया कि चावरा द्वीप के लोगों का रंग-रूप और आचार-व्यवहार ठीक उन्हीं की तरह है। भाषा में थोड़ा परिवर्तन जरूर लगा, फिर भी वे बहुत आनंदित हुए।

मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि मनुष्य का स्वभाव नई-नई चीजों का पता लगाने और उनके बारे में जानने का रहा है। मानव की इस जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण ही खोजों का सिलसिला शुरू हुआ।
2. चावरावासियों ने कारनिकोबारियों के लिए उपहार भेजकर प्रेम का जवाब प्रेम से दिया। उन्होंने ऐसा करके दिखाया है कि वे भी उनके बारे में जानने और उनसे मिलने के इच्छुक हैं।
3. ऐसा करके बुजुर्गों ने परिचय दिया है कि वे अपने लोगों के प्रति प्रेम और ज़िम्मेदारी का भाव रखते हैं। अगर चावरावासियों पर कोई भी मुसीबत आती है तो पहले वहाँ के बुजुर्ग इसका सामना करेंगे। उन्होंने दिखाया है कि वे अपने लोगों को सुरक्षा प्रदान करना चाहते हैं।